352

दिनांक 22.08.2022 को क्षेत्रीय अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, पटना प्रमण्डल, पटना के अध्यक्षता में प्रमण्डल स्तर पर लक्ष्य एवं NQAS मानक के अनुरूप पटना प्रमण्डल अन्तर्गत जिला में चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों के LaQshya एवं NQAS के प्रमाणिकरण किये जाने हेतु तैयारी से संबंधित समीक्षात्मक बैठक किया गया। इस बैठक में क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक सभी सलाहकार क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक इकाई, पटना प्रमण्डल, पटना तथा जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन जिला स्वास्थ्य समिति, भोजपुर, बक्सर, कैमुर, नालन्दा, पटना, रोहतास एवं जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार, एन०यू०एच०एम०, जिला पटना द्वारा भाग लिया गया।

सर्वप्रथम क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, पटना प्रमण्डल, पटना द्वारा क्षेत्रीय अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाऐं, पटना प्रमण्डल, पटना तथा सभी उपस्थित पदाधिकारी/सलाहकार का स्वागत किया गया। तदपश्चात् डॉ० विभा कुमारी सिंह, क्षेत्रीय अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाऐं, पटना प्रमण्डल, पटना द्वारा बताया गया की पटना प्रमण्डल में एक भी स्वास्थ्य संस्था लक्ष्य एवं NQAS कार्यक्रम अन्तर्गत प्रमाणीकरण नहीं है जिसे प्रमण्डल अन्तर्गत सभी जिला के चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों का वित्तीय वर्ष 2022–23 में अधिक से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों का लक्ष्य एवं NQAS का प्रमाणीकरण किया जाना है। इस हेतु सभी जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन अपने अपने जिला अन्तर्गत लक्ष्य एवं NQAS प्रमाणीकरण हेतु चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों का भ्रमण करते हुए लक्ष्य एवं NQAS के चेकलिस्ट को भरा जाए तथा पाई गई कमियों को क्षेत्रीय कोचिंग टीम की एव जिला कोचिंग टीम तथा संबंधित डेवपमेन्ट पार्टर से आवश्यक सहयोग प्राप्त कर प्रमाणीकरण हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ एवं चिन्हित कमियों को समय सीमा के अन्दर दूर किया जाना सुनिश्चित करेंगे।

जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन द्वारा पी०पी०टी० के माध्यम से अपने अपने जिलान्तगर्त चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं का लक्ष्य एवं NQAS स्कोर तथा गैप एसेसमेन्ट के बारे में चर्चा की गई जो इस प्रकार से है:–

जिला भोजपुरः

डॉ० रिचा, जिला भोजपुर जिला सलहाकार गुणवत्ता यकिन जिला स्वास्थ्य समिति, भोजपुर द्वारा बताया गया कि भोजपुर जिला में रेफरल अस्पताल शाहपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तरारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहार में कायाकल्प एसेसमेन्ट किया गया है। इस संबंध में क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, पटना प्रमण्डल, पटना द्वारा बताया गया कि आप स्वयं इन स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर एसेसमेन्ट टुल्स के साथ एसेसमेन्ट करें, जिससे वास्तविक स्थिति का पता चल सके तथा सभी कमियाँ को चिन्हित किया जा सके।

जिला भोजपुर में लक्ष्य कार्यक्रम हेतु जिला अस्पताल, आरा, अनुमण्डलीय अस्पताल, जगदीशपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहार एवं पिरो को चिन्हित किया गया है।

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, पटना प्रमण्डल, पटना द्वारा बताया गया कि लक्ष्य के प्रमाणिकरण किये जाने हेतु स्वास्थ्य संस्थानों का Documentation किया जाना तथा स्वास्थ्य सेवाएँ के गुणवत्ता पूर्ण तरीके से दिया जाना है। लक्ष्य हेतु लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी उनके द्वारा दिये गये Feedback, Infrastructure, HR की उपलब्धता एवं साफ–सफाई इत्यादि की व्यवस्था किया जाना अति आवश्यक है।

DCQA भोजपुर द्वारा बताया गया की Bio-waste Management का स्वास्थ्य संस्थानों में उढाव प्रतिदिन नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में एजेन्सी जिला स्तर से बात कर पत्र के माध्य से समाधान निकलाने का निदेश दिया गया। आवश्यक होने पर राज्य स्तर पर इसकी सूचना दी जाये।

LaQshya एवं NQAS के प्रमाणीकरण हेतु सभी स्वास्थ्य संस्थानों के सभी संबंधितों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रशिक्षण नहीं होने के कारण काफी Gap देखने को मिल रहा है।

रोहतासः

डॉ० राजीव, जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन रोहतास द्वारा पी०पी०टी० के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि LaQshya कार्यक्रम अन्तर्गत रोहतास जिला में जिला अस्पताल, सासाराम अनुमण्डलीय अस्पताल डेहरी, अनुमण्डलीय अस्पताल, विक्रमगंज तथा समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, काराकट को चिन्हित किया गया है। NQAS हेतु जिला रोहतास में काराकट को चिन्हित किया गया है।

SPO, QA
23/9/22
कार्यपालक निदेशक

DCQA द्वारा बताया गया कि जिला में महिला चिकित्सक, स्त्री एवं प्रसुति रोग विशेषज्ञ द्वारा DCT के सदस्य के रूप में उनके द्वारा Clinical Discussion किया जाता है किन्तु उनका स्थानान्तरण हो जाने के कारण अब Clinical Discussion नहीं हो पा रहा है।

इस संबंध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निदेश दिया गया कि असैनिक शल्य चिकित्सक, रोहतास द्वारा अपने जिला अन्तर्गत एक चिकित्सा पदाधिकारी MBBS/विशेषज्ञ चिकित्सक को चिन्हित कर उनके द्वारा संबंधित स्वास्थ्य संस्थान में Clinical Discussion करवाया जाना सुनिश्चित करायेगें।

DCQA के द्वारा बताया गया की जिला अस्पताल, सासाराम में प्रसव कक्ष का Autoclave एक साल से खराब है। IEC सभी जगह पर नहीं लगा है। ट्राईयेज रूम का Layout में दिक्कत है इस हेतु मार्गदर्शन की जरूरत है। लेबर बेड की आवश्यकता है. Patient feedback नहीं भरवाया जा रहा है तथा Partograph भी नहीं भरा जा रहा है। Registration counter से प्रसव कक्ष तक पहुँचने में गर्भवती महिला को समय अधिक लगता है।

कैमुरः

DCQA Dr. Ashinandan Pandey के द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसमें कायाकल्प, लक्ष्य एवं NQAS से संबंधित facility की केवल संख्या दर्शाया गया था और बेहतर प्रस्तुती तैयार करने की सलाह दी गई।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निदेश दिया गया कि आगे की बैठक में इस प्रकार का पी०पी०टी० मान्य नहीं होगा तथा कायाकल्प, लक्ष्य एवं NQAS हेतु चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों का अंक, Area of Concern wise तथा जिला द्वारा लिऐ गये निर्णय इत्यादि की आने वाली कठिनाईयों एवं प्रशिक्षण की स्थिति की समीक्षा से संबंधित पी०पी०टी० को प्रस्तुतीकरण किया जायेगा।

नालन्दाः

डॉ० लवली रानी, जिला नालन्दा को जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन नालन्दा द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया तथा बताया गया की रेफरल अस्पताल, चण्डी, सिलाव एवं सदर अस्पताल, बिहारशरीफ एवं अनुमण्डलीय अस्पताल, राजगीर को चिन्हित किया गया है। एकंगरसराय के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं BHM लक्ष्य कार्यक्रम के प्रमाणीकरण हेतु आवश्यक तैयारी किये जाने हेतु इच्छुक है।

इस्लामपुर मे पानी की व्यवस्था नहीं है। वहाँ पर LaQshya कार्यक्रम नहीं किया जा सकता है। रेफरल अस्पताल, चण्डी को प्राथमिकता में रख कर LaQshya के मानक के अनुरूप बनाया जा सकता है।

रेफरल अस्पताल, चण्डी का Maternity OT कार्यरत नहीं है। क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, पटना द्वारा बताया गया कि डॉ० पुरूषोत्तम द्वारा Quality Improvement एवं Amanat Trained Mentor एवं DS के साथ Quality Monitoring एवं सभी संबंधितों के साथ बैठक 15-15 दिनों के अन्तराल पर कराया जाय जिससे Quality Improvement हो सकेगा।

DQAC द्वारा बताया गया कि House keeping कि स्थिति ठीक नहीं है तथा BMW facility संतोषजनक नहीं है।

पटनाः

डॉ० स्वाति प्रभा, जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन, पटना द्वारा बताया गया कि जिला पटना में NQAS हेतु शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कंकड़बाग, जयप्रभा एवं गर्दनीबाग को चिन्हित किया गया है।

लक्ष्य हेतु गुरु गोविन्द सिंह सदर अस्पताल, पटना सिटी, अनुमण्डलीय अस्पताल, दानापुर एवं मसौढ़ी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फुलवारीशरीफ को चिन्हित किया गया है। जिसमें अनुमण्डलीय अस्पताल, मसौढ़ी के Health Practices संतोषप्रद नहीं है।

बक्सरः

सुश्री रूची कुमारी, DCQA बक्सर द्वारा पी०पी०टी० से प्रस्तुत किया गया। इनके द्वारा बताया गया कि LaQshya हेतु जिला अस्पताल, बक्सर, अनुमण्डलीय अस्पताल, डुमरॉव, समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्रह्मपुर एवं सिमरी को चिन्हित किया गया है। इनके द्वारा Area of Concern के अनुसार प्रसव कक्ष एवं

OT की प्रतिशत नहीं प्रदर्शित किया गया एवं 1st Quarter Score 2022 में उपरोक्त Facility का प्रतिशत प्रदर्शित किया गया।

इस संबंध में स्पष्ट निदेश दिया गया कि सभी चिन्हित Area of Concern wise तथा क्या Challenges आ रहे है और जिला स्तर पर क्या Planning की जा रही है। इन सभी को पी०पी०टी० में प्रदर्शित किया जाय।

सभी जिला के जिला गुणवत्ता यकिन सलाहकार के द्वारा अपने–अपने जिला से संबंधित पी०पी०टी० प्रस्तुतीकरण करने के पश्चात् क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, पटना द्वारा LaQshya एवं NQAS कार्यक्रम से संबंधित विषय पर पी०पी०टी० प्रस्तुत किया गया।

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, पटना द्वारा बताया गया कि लक्ष्य कार्यक्रम NQAS (National Quality Assessment Standard) का एक पार्ट है। LaQshya एवं NQAS मानक के अनुरूप बनाये जाने वाले स्वास्थ्य संस्थान का जिला स्तर से टीम बनाकर स्वास्थ्य संस्थानों को चिन्हित किया जाय तथा अपने–अपने जिला अन्तर्गत चिन्हित स्वास्थ्य संस्थानों को LaQshya एवं NQAS मानक के अनुरूप बनाते हुए इसका Certification कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

पी०पी०टी० में LaQshya के आठ (8) Area of Concern के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इसके अन्तर्गत आने वाले Paintent Rights पर विशेष बल दिया गया तथा बताया गया की Protocol है कि 90 प्रतिशत प्रसव में प्रसव सखी का होना आवश्यक है।

क्षेत्रीय अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ, पटना प्रमण्डल, पटना द्वारा सभी संबंधितों को निदेश दिया गया जो इस प्रकार से है:–

1. लक्ष्य प्रमाणीकरण हेतु एसेसमेन्ट के दौरान दिखाये गये पी०पी०टी० में जिला अस्पताल, आरा, अनुमण्डलीय अस्पताल, जगदीशपुर एवं समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहार को इस वित्तीय वर्ष में लक्ष्य अभिप्रमाणन हेतु सभी आवश्यक तैयारी किया जाना सुनिश्चित करेगें।
2. NQAS एवं LaQshya कार्यक्रम अन्तर्गत स्वास्थ्य संस्थानों के प्रमाणीकरण हेतु जिला स्तर पर संबंधित विषय पर प्रशिक्षण हेतु DCT गठित किया जाए तथा LaQshya कार्यक्रम से संबंधित सभी संबंधितों को Area of concern वार सभी checklist उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण दिया जाए। इस संबंध में जिला में राशि भी उपलब्ध है।
3. आई०ई०सी० के संबंध में निदेश दिया गया कि जिला स्तर पर डी०एच०/एस०डी०एच०/सी०एच०सी० को राशि उपलब्ध कराया जाये या जिला स्वयं आवश्यकतानुसार आई०ई०सी० समाग्री संस्थानों में भेजवाना सुनिश्चित करेंगे, जिसे स्वास्थ्य संस्थानों में IEC का कार्यक्रम के अनुसार निर्धारित जगह पर Proper display करवाया जा सके।
4. LR के साथ Maternity OT का भी लक्ष्य अभिप्रमाणन किया जाना है इसे भी साथ–साथ तैयारी करवाया जाना सुनिश्चित किया जाए।
5. NQAS प्रमाणीकरण हेतु HWC एवं UPHC को भी चिन्हित किया जाए तथा सभी आवश्यक तैयारी किया जा सके।
6. अधोहस्ताक्षरी द्वारा बताया गया कि समुदायिक स्तर पर VHSND सत्र पर प्रसव पूर्व जॉच में आयी सभी गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान प्रसव सखी रखने से संबंधित जानकारी दिया जाय तथा आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा इसका प्रचार प्रसार समुदायिक स्तर पर किया जाना आवश्यक है।
7. जिला पटना में LaQshya एवं NQAS के अभिप्रमाणन हेतु स्वास्थ्य संस्थान चिन्हित है उनपर focus करते हुए सभी आवश्यक तैयारी तथा स्टॉफ प्रशिक्षण इत्यादि कराया जाना सुनिश्चित करेगें। इस हेतु RCT एवं DCT तथा Development partner से आवश्यक सहयोग लेते हुए इस आवश्यक कार्य को समय सीमा के अन्दर कराया जाय।

354

8. लेबर रूम तथा अन्य स्वास्थ्य सेवायें प्राप्त करने आयी लाभार्थियों को मुफ्त एवं गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराया जाना सुनिश्चित करें।
9. सभी DCQA द्वारा Mobility Support हेतु अनुरोध किया गया। इस संबंध में संबंधित सिविल सर्जन को अधोहस्ताक्षरी के माध्यम से निदेश दिये जाने के बारे में कहा गया।
10. बैठक में निदेश दिया गया कि एक सप्ताह के अन्दर LaQshya एवं NQAS Certification कराये जाने वाले स्वास्थ्य संस्थानों की सूची अंक के साथ अपने–अपने जिला का बनाकर क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, पटना प्रमण्डल, पटना को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगें और इससे प्राथमिकता के अधार पर जिला अस्पताल एवं अनुमण्डल अस्पताल को रखा जाये।

(अनुपालनः– C.S., DPM, DCQA and Concern DS/MOIC)

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कारवाई समाप्त किया गया।

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई,
पटना प्रमण्डल, पटना

19/9/22
क्षेत्रीय अपर निदेशक,
स्वास्थ्य सेवाएँ,
पटना प्रमण्डल, पटना

ज्ञापांकः RPMU/PAT 056 /पटना/दिनांकः 19/09/2022

प्रतिलिपिः कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार, पटना को सादर सूचनार्थ समर्पित।

प्रतिलिपिः प्रमण्डलीय आयुक्त, पटना प्रमण्डल, बिहार, पटना को सादर सूचनार्थ समर्पित।

प्रतिलिपिः सिविल सर्जन –सह– सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, भोजपुर, बक्सर, कैमुर, नालन्दा, पटना एवं रोहतास को सूचनार्थ एवं आवश्यक अनुपालनार्थ।

प्रतिलिपिः जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं जिला सलाहकार गुणवत्ता यकिन, जिला स्वास्थ्य समिति, भोजपुर, बक्सर, कैमुर, नालन्दा, पटना एवं रोहतास को सूचनार्थ एवं आवश्यक अनुपालनार्थ।

प्रतिलिपिः डी० आर० यू० टीम लीडर, केयर, WHO, PSI, PCI, Path, Pathfinder International जिला, भोजपुर, बक्सर, कैमुर, नालन्दा, पटना एवं रोहतास के जिला प्रतिनिधि को सूचनार्थ एवं आवश्यक सहयोग हेतु प्रेषित।

क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाई,
पटना प्रमण्डल, पटना।

19/9/22
क्षेत्रीय अपर निदेशक,
स्वास्थ्य सेवाऐं,
पटना प्रमण्डल, पटना।